



---

shanimangalastotram

शनिमङ्गलस्तोत्रम्

Sanskrit Document Information



---

Text title : shanimangalastotram

File name : shanimangalastotram.itx

Category : navagraha, mangala

Location : doc\_z\_misc\_navagraha

Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran at gmail.com

Acknowledge-Permission: Shri Tripursundari Ved Gurukulam, Sahibabad (Ghaziabad), UP

Latest update : March 24, 2018

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

May 13, 2018

*sanskritdocuments.org*

---

---

shanimangalastotram

---

शनिमङ्गलस्तोत्रम्

---



मन्दः कृष्णानिभस्तु पश्चिममुष्णः सौराष्ट्रकः काश्यपः ।  
स्वामी नडभकुम्भयोर्बुधसितौ मित्रे समश्चाऽङ्गिराः ॥ १ ॥

स्थानं पश्चिमदिक् प्रजापति यमौ देवौ धनुष्यासनः ।  
षट्त्रिस्थः शुभकुम्भनी रविसुतः कुर्यात्सदा मङ्गलम् ॥ २ ॥

प्रार्थना

आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनम् ।  
पूजां नैव हि जानामि क्षमस्व परमेश्वर ॥

मन्त्रादीनं क्रियादीनं भक्तिदीनं सुरेश्वर ।  
यत्पूजितं मया देव परिपूर्णा तदस्तु मे ॥

कोणानीलाञ्जनप्रभ्यं मन्दयेष्टाप्रसारिणाम् ।  
छायामार्ताण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥

ॐ अनया पूजया शनैश्चरः प्रीयताम् ।

ॐ मन्दाय नमः ॐ घटनाथाय नमः ॐ शनैश्चराय नमः ।

ॐ शान्तिः ॐ शान्तिः ॐ शान्तिः ॐ ॥

इति श्रीशनिमङ्गलस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by PSA Easwaran psaeaswaran at gmail.com

---

---

shanimangalastotram

pdf was typeset on May 13, 2018

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

